

अस्वाभाविक वि. (तत्.) 1. जो स्वाभाविक या सहज न हो 2. कृत्रिम, बनावटी, दिखावटी 3. स्वभावविरुद्ध विलो. स्वाभाविक।

अस्वार्थ वि. (तत्.) 1. स्वार्थहीन, निःस्वार्थ 2. विरक्त 3. उदासीन, बेकार, निकम्मा पुं. (तत्.) स्वार्थरहितता।

अस्वास्थ्य पुं. (तत्.) दे. अस्वस्थता विलो. स्वास्थ्य।

अस्वीकार वि. (तत्.) जो स्वीकार न हो, अन्नुमोदित, नामंजूर पुं. (तत्.) अस्वीकृति, नामंजूरी विलो. स्वीकार।

अस्वीकारवादी वि. (तत्.) समाज द्वारा निर्धारित नियमों, परंपराओं अथवा पक्ष-विशेष के निर्णय या सिद्धांत को न मानने वाला।

अस्वीकृत वि. (तत्.) 1. जिसे स्वीकार न किया गया हो, जो स्वीकृत न हुआ हो, नामंजूर, नामंजूर किया हुआ 2. ग्रहण न किया हुआ 3. अमान्य। विलो. स्वीकृत।

अस्वीकृत छुट्टी स्त्री. [तत्.+देश] प्रशा. सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकार न की गई छुट्टी।

अस्वीकृति स्त्री. (तत्.) नामंजूरी, स्वीकार न करने की क्रिया, असहमति विलो. स्वीकृति।

अस्वेदन पुं. (तत्.) आयु. पसीना न आना विलो. स्वेदन वि. (तत्.) पसीना कम/न लाने वाला, स्वेदनरोधी।

अस्सी वि. (तत्.) दस का आठगुना, सत्तर से दस अधिक पुं. अस्सी की संख्या।

अहं (अहम्) पुं. (तत्.) मैं। मनो. मनुष्य की वह निजी (व्यक्तिगत) सत्ता जो उसे अन्य व्यक्तियों से स्वभिन्नत्व तथा विचार्यमान विषयों में तद्भिन्नत्व प्रदान करती है पुं. (तत्.) अहंकार, अभिमान ego

अहंकार पुं. (तत्.) 1. अहम्मन्यता 2. अभिमान, गर्व, घमंड 2. अपनी सत्ता का बोध योग. अंतःकरण की पाँच वृत्तियों में से एक।

अहंकारी वि. (तत्.) अहंकार करने वाला, घमंडी।

अहंता स्त्री. (तत्.) अहंकार, गर्व प्रयो. तुलसी की अहंता को चुभन हुई, 'मेरा राम-प्रेम क्या किसी से कम है?'

अहंवादी वि. (तत्.) 1. डींग मारने वाला, शेखी बघारने वाला 2. मैं ही सब कुछ हूँ, मेरे लिए ही या मेरे अनुसार ही सब कुछ होना चाहिए, ऐसा मानने वाला।

अह पुं. (तत्.) 1. दिन 2. विष्णु 3. सर्प 4. आकाश।

अहत वि. (तत्.) 1. जो हत या आहत न हो 2. जो हताश न हो 3. बिना धुला, नवीन, जैसे-अहत वस्त्र।

अहद पुं. (अर.) प्रतिज्ञा, वादा, इकरार। वि. (देश.) सीमा रहित, असीम।

अहदनामा पुं. (फ़ा.) प्रतिज्ञापत्र, इकरारनामा।

अहदी पुं. (अर.) 1. आलसी 2. (अकबर के काल के) वे सिपाही जिनसे कभी-कभी काम लिया जाता था, शेष दिन वे खाली बैठे रहते थे।

अहन् पुं. (तत्.) दिवस, रात-दिन मिलाकर एक दिन।

अहम् वि. (अर.) महत्वपूर्ण, खास, विशेष, जोरदार, वजनी, सार्थक टि. अहं (अहम्) और अहम् दो भिन्न मूल के शब्द हैं जिनमें अर्थभेद है दे. अहं।

अहमक वि. (अर.) मूर्ख, नासमझ, जड़मति।

अहमहमिका स्त्री. (तत्.) प्रतिद्वंद्वी -मैं बड़ा हूँ मैं बड़ा हूँ या 'मैं पहले' ऐसी स्पर्धा।

अहमिका स्त्री. (तत्.) होड़, प्रतियोगिता प्रयो. तुम्हारी अहमिका की क्षुद्रता के आवरण के भीतर से कभी-कभी जो प्रकाश की किरण पहुँचा देता हूँ, वह केवल इसलिए कि तुम जान लो कि तुम्हारा अहंभाव जो पृथक्त्व बुद्धि उत्पन्न कर रहा है, वह गलत है -चारु चंद्रलेख, ह.प्र.द्विवेदी।

अहमियत स्त्री. (अर.) खास होने का भाव, महत्व, सार्थकता।